अमर उजाला | गोरखपुर | रविवार, 23 अक्तूबर 2022 | 5

आयुष विश्वविद्यालय में पहली बार लगा स्वास्थ्य शिविर, 465 मरीजों की जांच हुई

मरीजों को दी गई दिनचर्या, रात्रिचर्या और ऋतुचर्या की जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। धन्वंतरि जयंती पर महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को पहली बार स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। डॉक्टरों की टीम ने 465 मरीजों का निशुल्क इलाज किया। इनमें 298 महिलाएं और 167 पुरुष शामिल थे। मरीजों को दवाएं भी दी गईं।

शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. एके सिंह ने भगवान धन्वंतरि के पूजन और हवन से किया। मरीजों को दिनचर्या, रात्रिचर्या एवं ऋतुचर्या के बारे में बताया गया। कुलपति ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली मानव शरीर को काफी नुकसान पहुंचा रही है। अनियमित दिनचर्या के कारण होने वाले रोगों से बचने के लिए दिन, रात्रि एवं मौसम के अनुसार भोजन का चयन करना होगा। आयुर्वेद, चिकित्सा पद्धति के साथ ही एक जीवन शैली भी है। आयुर्वेद के अनुसार जीवन जीने वाले लोग रोगों से बचे रहते हैं।

मरीज को परामर्श देते प्रो. एके सिंह। संवाद

कुलपति के साथ परीक्षा नियंत्रक डॉ. सीके राजपूत, डॉ. अशोक कुमार गौतम, डॉ. विनीता सिंह ने मरीजों का इलाज कर उन्हें दवाइयां दीं। इस मौके पर आयुष विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार आरबी सिंह, परियोजना प्रबंधक एच. जोशी, शिरीष कुमार मिश्र, हिमांशु पांडेय, अजय गुप्ता, धर्मेंद्र यादव, राजेंद्र निषाद आदि मौजूद रहे।